मत्स्य पालन और जलीय कृषि में उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज), हैदराबाद एवं मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में मत्स्य पालन और जलोय कृषि में उद्यमिता विकास विषय पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन डॉ. जितेन्द्र सुंदरै, संचालक एवं प्रमुख वैज्ञानिक, सीफा, भुवनेश्वर के मुख्य आतिथ्य श्री रमन विजयन इंक्यूबेशन प्रबंधक मैनेज एवं डॉ. प्रयागदत्त जुयॉल माननीय कुलपति की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर डॉ. जितेन्द्र सुंदरै ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से मध्य प्रदश के युवा उद्यमियों और विश्वविद्यालय के छात्रों को मत्स्य उद्योग और मत्स्य पालन उद्यमिता संबंधी व्यवसायी गुण सिखाना, मत्स्य व्यवसाय को बढ़ावा देने की और एक अच्छी पहल है। साथ ही उन्होनें कहा कि भविष्य में सीफा व नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के संयुक्त तत्वाधन में छात्रों व मत्स्य पालकों के उत्थान हेतु कार्य किया जायेगा व उनके द्वारा श्रीमती वी. उषा रानी, आई.ए.एस., डायरेक्टर जनरल मैनेज के द्वारा सदैव मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु आभार किया गया।

डॉ. जुयॉल ने कहा कि मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर द्वारा मैनेज के साथ संयुक्त तत्वाधान में प्रशिक्षण कार्यक्रम को सराहा गया। साथ ही मत्स्य पालन विकास के लिये भविष्य में आई.सी.ए.आर. के राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न संस्थानों जैसे मैनेज, एनएफडीबी और नाबार्ड से वित्तीय सहायता प्राप्त की जायेगी। डॉ. एम. विजय, प्रमुख मत्स्य पालन, बायोसोल्यूशन, चैन्नई द्वारा जलीय कृषि उद्यमिता पर व्याख्यान दिया गया साथ ही यह घोषणा की गई की भविष्य में उनकी कम्पनी द्वारा मध्य प्रदेश से युवाओं को भर्ती कर नौकरी प्रदान की जावेगी।

कार्यक्रम में डीन कालेज डॉ. आर.पी.एस. बघेल, प्रभारी अधिष्ठाता व कोर्स संचालक डॉ. एस.के. महाजन, डॉ. आदित्य मिश्रा, डॉ. माधुरी शर्मा सहित समस्त प्राध्यापकों एवं प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. सोना दुबे ने किया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर